

असाधार्ण EXTRAORDINARY M

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाश्चित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 629] नई विल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 20, 1994/अग्रहायण <math>29, 1916

No. 629] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 20, 1994/AGRAHAYANA 29, 1916

गृह मंत्रालय

## ग्रधिस्चना

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1994

का.ग्रा. 917(ग्र).—केन्द्रीय मरकार, विधि विश्व कियाकलाप (निवारण) ग्रिधि-नियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त णवितयों का प्रयोग करते हुए, यह न्यायनिर्णयन करने के प्रयोजन के लिए कि यूनाइटेड लिवरेणन फट ग्राँफ ग्रमम (उल्फा) को विधि विश्व घोषित करने के लिए पर्योप्त कारण है या नहीं "विधि-विरुद्ध कियाकलाप (निवारण) ग्रिधिकरण" गठिन करती है जिसमें पंजाब ग्रीर हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीण, न्यायमूर्ति श्री मतपाल होंगे।

> [फा. सं. 11011/33/94-एन.ई.-[V] बी. एन. झा, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 20th December, 1994

S.O. 917(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause for declaring the United Liberation Front of Asom (ULFA) as unlawful, consituting of Justice Shri Sat Pal, Judge of Punjab and Haryana High Court.

[F. No. 11011|39|94-NE. IV]B. N. JHA, Jt. Secy. (NE)